पाठ - 1 दो बैलों की कथा

लेखक परिचय

प्रेमचंद

जन्म :- सन् 1880,

स्थान :- बनारस के लमही गाँव में

मृत्यु :- सन् 1936

रचनाएँ :-

कहानी संग्रह :- मानसरोवर - आठ भागों में

उपन्यास :- सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि ।

संपादन :- हंस, जागरण, माधुरी आदि।

पाठ का सार

'दो बैलों की कथा' के लेखक प्रेमचंद ने इस पाठ के माध्यम से कृषक समाज में मनुष्य और पशुओं के आपसी संबंधों को अत्यंत भावात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया है कि स्वतंत्रता सहज में नहीं मिलती, उसके लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता है। यह कहानी दो बैलों के बारे में है जो अपने मालिक से बहुत प्रेम करते थे और जिनमें आपस में भी गहरी मित्रता थी। दोनों बैल स्वाभिमानी, बहादुर और परोपकारी हैं। उनका मालिक झूरी उन्हें बड़े स्नेह से रखता है। एक बार दोनों बैलों को मालिक के ससुराल भेज दिया जाता है। उचित सम्मान न मिलने के कारण दोनों बैल वहाँ से भागकर अपने मालिक के पास आते हैं। उन्हें दोबारा वहाँ भेज दिया जाता है। जब वे दोबारा भागने की कोशिश करते हैं तो कई मुसीबतों में फँस जाते हैं। अंत में उन्हें किसी कसाई के हाथ नीलाम कर दिया जाता है। लेकिन दोनों बैल उस कसाई के चंगुल से छूटने में भी कामयाब हो जाते हैं और अंत में अपने असली मालिक के पास पहुँच जाते हैं। यह कहानी आजादी के आंदोलन की भावना से जुड़ी है। यह कहानी बड़ी ही रोचक है और सरल भाषा में लिखी गई है।

पाठ्य-पुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उत्तर- कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी उसमें ऐसे पशु कैद होते थे जो दूसरों के खेतों में घुसकर फसलें नष्ट करते थे।कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी इसलिए ली जाती होगी ताकि कैद पशुओं की संख्या का पता चल सके और पशुओं की सेहत का पता चल सके।

2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया ?

उत्तर- छोटी बच्ची की माँ की मृत्यु हो चुकी थी तथा उसकी सौतेली माँ भी उसे बहुत मारती थी वैसे ही गया भी बैलों को दिन भर खेतों में जोतता और मारता था तथा रात में सूखी घास डाल देता। छोटी बच्ची को उन बैलों की स्थिति अपने जैसी दिखी इसलिए छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम उमड़ आया।

3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति विषयक मूल्य उभर कर आए हैं ?

उत्तर- इस कहानी में बैलों के माध्यम से निम्नलिखित नीति विषयक मूल्य उभर कर सामने आए हैं -

क) आज के समय में अत्यधिक सीधा व सहनशील होना सही नहीं है। सरल एवं सीधे मनुष्य को गधा कहा जाता है।

ख) मनुष्य को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए ।

ग) एकता में बल होता है।

घ) आज़ादी पाने के लिए मनुष्य को बड़े से बड़े कष्ट उठाने को तैयार रहना चाहिए।

4. प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उत्तर- दुनिया का सबसे बुद्धिहीन प्राणी गधा माना जाता है।यदि किसी व्यक्ति को मूर्ख बताना है तो हम उसे ' गधा कह देते हैं। गधा मूर्ख के अर्थ में रुढ़ हो गया है परंतु लेखक ने इसे सही नहीं माना क्योंकि गधा अपने सीधेपन और सहनशीलता के कारण किसी को हानि नहीं पहुँचाता है। गाय, कुत्ता और बैल जैसे जानवर कभी- कभी क्रोध कर देते हैं पर गधा ऐसा नहीं करता है। सुख-दुःख , हानि- लाभ किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा जाता है। ऋषियों - मुनियों के जितने गुण हैं वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं। इस कहानी में प्रेमचंद ने गधे को संत स्वभाव का प्राणी माना है।

5. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उत्तर- निम्न घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी :-

क) जब दोनों बैलों को हल या गाड़ी में जोत दिया जाता, उस वक़्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा से ज्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे।

ख) जब उनको नाँद में खली - भूसा खाने के लिए दिया जाता दोनों साथ उठते , साथ नाँद में मुँह डालते और साथ ही बैठते थे। एक मुँह हटा लेता, तो दूसरा भी हटा लेता था।

ग) एक बार गया ने हीरा की नाक पर खूब डंडे जमाए, तो मोती का गुस्सा काबू के बाहर हो गया । मोती

हल लेकर भागा जिससे हल , रस्सी , जुआ, जोत सब टूट गया।

घ) मटर के खेत में जब लोगों ने दोनों को घेर लिया और पकड़ने की कोशिश की तब हीरा वहाँ से भाग गया परन्तु मोती के पकड़े जाने पर वह भी बंधक बनने के लिए स्वयं ही वापस लौट आया।

ङ) कांजीहौस में घर की दीवारें गिरने पर भी मोती, हीरा को छोड़कर भागने के लिए तैयार नहीं हुआ ।

6. ' लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।' - हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण का स्पष्ट पता चलता है कि प्रेमचंद के मन में औरतों के प्रति सम्मान की भावना है । औरत को मारना या शारीरिक दण्ड देना वे उचित नहीं मानते। उन्होंने यह भी कहना चाहा है कि जब पशु भी नारी जाति का सम्मान करते हैं तो मनुष्य को नारी जाति का सम्मान हर स्थिति में करना चाहिए।

7. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

उत्तर- किसान जीवन में पशुओं और मनुष्यों के आपसी संबंध बहुत गहरे तथा आत्मीय रहे हैं। इस कहानी में किसान जीवन वाले समाज में मनुष्य और पशुओं के आपसी संबंधों को अत्यंत भावात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। झूरी को अपने बैलों हीरा और मोती से बहुत लगाव है।

झूरी उन्हें बच्चों की तरह स्नेह करता था। जब हीरा - मोती उसके ससुराल से लौटकर वापस उसके थान पर आ खड़े हुए तो उसका हृदय आनंद से भर गया। उसने दौड़कर उन्हें गले लगा लिया। गाँव के बच्चों ने भी बैलों की स्वामीभक्ति देखकर उनका अभिनंदन किया। पशु अपने मालिक के लिए जान देने को भी तैयार रहे हैं।

8. ' इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वह सब तो आशीर्वाद देंगे।' - मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- "इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।" मोती के इस कथन से पता चलता है कि मोती स्वभाव से परोपकारी एवं दयालु है। वह निरीह और विपत्ति में फँसे प्राणियों की मदद करने में विश्वास रखता है। वह बाड़े की दीवार को तोड़कर नौ दस प्राणियों की जान बचाता है। वह कांजीहौस में हीरा को अकेला छोड़कर नहीं जाता है वह आशावादी है। उसे विश्वास है कि उसके द्वारा किए गए अच्छे कार्य का परिणाम भी अच्छा ही होगा।

9. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

उत्तर- हीरा और मोती मूक भाषा में विचारों का आदान - प्रदान करते थे। वे एक दूसरे के लिए सदैव ही प्रेम तथा भलाई के बारे में सोचते थे। प्रेम, आत्मीयता और घनिष्ठता के गुणों के बल पर ही वे एक दूसरे के मन की बात जान लेते थे । हम जीवों में सर्वश्रेष्ठ मनुष्य को मानते हैं किन्तु उसमें भी यह शक्ति नहीं होती कि बिना कुछ कहे एक-दूसरे के मन के भाव एवं विचार को समझ लें।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

उत्तर- हीरा और मोती गया के घर बँधे हुए थे । भूख से व्याकुल हीरा और मोती को भैरो की बेटी एक-एक रोटी खिलाती है । इस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती पर इस सहानुभूति को पाकर उनकी आत्मा प्रसन्न हो जाती है। बालिका के प्रेम का अनुभव कर उनका हृदय तृप्त हो जाता है।

10. गया ने हीरा-मोती को दोनों बार सूखा भूसा खाने के लिए दिया क्योंकि-

(क) गया पराये बैलों पर अधिक खर्च नहीं करना चाहता था।

(ख) गरीबी के कारण खली आदि खरीदना उसके बस की बात न थी।

(ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुखी था।

(घ) उसे खली आदि सामग्री की जानकारी न थी।

उत्तर- (ग) वह हीरा मोती के व्यवहार से दुखी था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'दो बैलों की कथा' पाठ के लेखक कौन है ?

a. जगदीश चंद्र माथुर b. हजारी प्रसाद द्विवेदी
c. प्रेमचंद d. हरिशंकर परसाई

2. इस पाठ में वर्णित दोनों बैलों के नाम हैं -

a. हीरा और मोती b. सोना और चान्दी
c. मोहन और सोहन d. इनमें से कोई नही

3. जानवरों में सबसे ज्यादा बुद्धिहीन किसे समझा जाता है?

a. गाय b. बैल
c. बकरी d. गधा

4. जब किसी आदमी को पहले दर्जे का बेवकूफ कहना हो तो उसे क्या कहते हैं?

a. गधा b. बैल
c. बकरी d. शेर

5. पाठ में हीरा और मोती का मालिक कौन है ?

a. गया b. झूरी
c. मुंशी d. कांजीहौस का मालिक

6. गोईं से आप क्या समझते हैं?

a. उदासी b. अलगाव
c. जोड़ी d. इनमें से कोई नहीं

7. गधे का छोटा भाई किसे कहा गया है?

a. घोड़ा b. गधा
c. शेर d. बैल

8. **किस देश के बारे में कहा गया है कि "एक ही विजय ने उसे संसार की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया।"**
   a. अमेरिका b. अफ्रीका
   c. भारत d. जापान

9. **झूरी ने बैलों को कहाँ भेजा?**
   a. अपने चाचा के घर b. अपने माँ के घर
   c. अपने फूफा के घर d. अपने ससुराल

10. **कौन ज्यादा सहनशील था?**
   a. हीरा b. मोती
   c. हीरा और मोती दोनों d. इनमें से कोई नहीं

11. **झूरी के बैल कैसे थे?**
   a. देखने में सुंदर b. काम में चौकस
   c. डील में ऊँचे d. इनमें से सभी

12. **बैलों को रोटी किसने खिलाई?**
   a. झूरी की पत्नी b. झूरी
   c. भैरों की बेटी d. गया

13. **दोनों बैलों को भगाने में किसने मदद की?**
   a. झूरी की बेटी b. झूरी की पत्नी
   c. गया की पत्नी d. भैरो की बेटी

14. **लावारिस पशुओं को बंद करने का स्थान क्या कहलाता है?**
   a. कांजीहौस b. चिड़ियाघर
   c. काशी हाउस d. हौसकांजी

15. **उछाह का पर्यायवाची क्या है?**
   a. उत्सव
   b. आनंद
   c. उत्सव और आनंद दोनों
   d. इनमें से कोई नहीं

16. **गधा एकाध बार कुलेल कर लेता है:-**
   a. वैशाख महीने में b. चैत्र महीने में
   c. सावन महीने में d. अन्य कोई

17. **कांजीहौस से हीरा और मोती को किसको बेचा गया?**
   a. गया को b. दढ़ियल को
   c. चौधरी को d. इनमें से कोई नहीं

18. **किसके कारण हीरा और मोती ने नांद की ओर देखा तक नहीं?**
   a. डर के कारण b. गुस्से के कारण
   c. बीमारी के कारण d. अपमान के कारण

19. **" लेकिन औरत पर सींग चलाना मना है "- यह किसका कथन है?**
   a. हीरा b. मोती
   c. गया d. झूरी

20. **गया ने बैलों को किससे बांधा?**
   a. जंजीरों से b. पतली रस्सियों से
   c. सुतली से d. मोटी रस्सियों से

21. **हीरा मोती में कौन-कौन से गुण थे?**
   a. हीरा और मोती सच्चे मित्र हैं।
   b. हीरा और मोती परोपकारी हैं।
   c. वे स्वामीभक्त हैं।
   d. उपरोक्त सभी।

22. **गधे के किन गुणों ने उसे ऋषि मुनियों की उपाधि दे दी है?**
   a. त्याग
   b. सीधापन
   c. सहनशक्ति
   d. सीधापन एवं सहनशक्ति दोनों

23. **' दो बैलों की कथा ' पाठ से हमें सीख मिलती है -**
   a. शत्रु को समझना
   b. मालिक की सेवा करना
   c. आजादी के लिए संघर्ष करना
   d. दूसरों के अत्याचार को सहते रहना

24. **पाठ के अनुसार गधे के गुण है :-**
   a. मेहनत b. सीधापन
   c. चालाक d. अध्ययन

25. **हीरा और मोती की गहरी मित्रता का पता कैसे चलता है?**
   a. एक दूसरे का भार संभालते थे
   b. एक दूसरे के लिए लड़ते थे
   c. जब कोई उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता था तो एक दूसरे का साथ कभी ना छोड़ना
   d. उपरोक्त सभी

26. **दीवार का गिरना था कि अधमरे से पड़े हुए सभी जानवर चेत उठे । वाक्य का कौन सा भेद है?**
   a. सरल वाक्य b. संयुक्त वाक्य
   c. मिश्र वाक्य d. इनमें से कोई नहीं

27. **गधे के चेहरे पर कैसा भाव छाया रहता है?**
   a. क्रोध का भाव b. स्थायी विषाद
   c. ईर्ष्या का भाव d. असंतोष का भाव

28. **सद्गुण शब्द में कौन- सा उपसर्ग है?**
   a. सद् b. संत
   c. सच d. सत्य

29. **दो बैलों की कथा किस लड़ाई की ओर संकेत करती है?**
   a. पानीपत की लड़ाई की ओर
   b. प्रथम विश्व युद्ध की ओर
   c. भारत चीन युद्ध की ओर
   d. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ओर

30. **प्रेमचंद का निधन कब हुआ?**
   a. 1936 में b. 1926 में
   c. 1940 में d. 1924 में

31. **निम्नलिखित में से कौन-सी रचना प्रेमचंद की नहीं है?**

a. दोहाकोश b. गोदान
c. गबन d. कर्मभूमि

32. प्रेमचंद का जन्म कहाँ हुआ?
a. इलाहाबाद में
b. लखनऊ में
c. वाराणसी के पास लमही गांव में
d. आगरा के पास फतेहपुर में

33. " बैल का जन्म लिया है तो मरने से कहां तक बचेंगे " यह कथन किसका है?
a. कांजीहौस के कर्मचारियों का
b. मोती का
c. गया का
d. हीरा का

34. 'बछिया के ताऊ' मुहावरे का अर्थ है-
a. बैल का भाई b. सांड
c. मूर्ख व्यक्ति d. कोल्हू का बैल

35. झूरी की पत्नी दोनों बैलों से नाराज होकर उन्हें क्या कहने लगी?
a. नमकहराम b. मूर्ख
c. आलसी d. बेकार

36. दोनों बैल आपस में सींग मिलाते थे-
a. ईर्ष्या के कारण b. भूख के कारण
c. स्नेह के कारण d. क्रोध के कारण

37. इस पाठ के आधार पर सच्चे मित्र की पहचान कब होती है?
a. बुरे समय में
b. अच्छे समय में
c. हर समय
d. किसी भी समय पर नहीं

38. नाँद में खली - भूसा पड़ जाने के बाद दोनों क्या करते थे?
a. एक साथ नाँद में मुँह डालते
b. साथ ही बैठते
c. एक मुँह हटा लेता तो, दूसरा भी हटा लेता
d. उपर्युक्त सभी

39. रात को रोटी खाने के पश्चात दोनों बैल रस्सियाँ क्यों चबा रहे थे?
a. रस्सी खाना उन्हें अच्छा लगता था
b. रस्सी खाना उनकी आदत थी
c. रस्सी को तोड़ने के लिए
d. रस्सी खाने से उन्हें ताकत मिलती थी

40. बैलों को काबू में रखने के लिए गया के घर में क्या सलाह हो रही थी?
a. पैर बाँधने की
b. सींग तोड़ने की
c. मोटी रस्सियों से बाँधने की
d. नाकों में नाथ डालने की

41. गराँव से क्या अभिप्राय है?
a. गाँव
b. रास्ता
c. रस्सी जो पशुओं के गले में पहनाई जाती है
d. गाँठ

42. बंधनमुक्त होकर भी वे दोनों चुपचाप खड़े थे। क्यों?
a. उन्हें फिर पकड़े जाने का डर था
b. उन्हें बालिका की चिंता थी
c. वह वहीं रहना चाहते थे
d. उन्हें रोटी नहीं मिलती

43. लड़की ने रात में घर से बाहर आकर बैलों से क्या कहा?
a. यहीं रहो b. मुझे परेशान मत करो
c. शांति से आराम करो d. चुपके से भाग जाओ

44. झूरी काछी कौन था?
a. बैलों का मालिक
b. बैलों का विक्रेता
c. कांजीहौस का कर्मचारी
d. बैलों का खरीददार

45. पहली बार गया के घर से भाग कर दोनों बैल कहाँ गए?
a. मटर के खेत में b. धान के खेत में
c. कांजीहौस में d. झूरी के घर

46. किसके डर से नौकर ने बैलों के खाने में खली नहीं मिलाई ?
a. झूरी b. कसाई
c. गया d. झूरी की पत्नी

47. पाठ में दीवार गिरना किसकी ओर संकेत करता है?
a. गुलामी के बंधन खुलने का
b. सहनशक्ति के टूटने का
c. साथ-साथ काम करने की शक्ति का
d. इनमें से कोई नहीं

48. ब्याई हुई गाय किसका रूप धारण कर लेती है?
a. हिरणी b. सिंहनी
c. नागिन d. इनमें से कोई नहीं

49. लेखक के अनुसार गधे में किनके गुण पराकाष्ठा को पहुंच गए हैं?
a. राजाओं के b. अभिनेताओं के
c. नेताओं के d. ऋषि - मुनियों के

50. हीरा - मोती कितने दिनों तक कांजीहौस में बंधे पड़े रहे?
a. एक सप्ताह b. पंद्रह दिन
c. दस दिन d. तीस दिन

51. पशु बाँधने की रस्सी को कहते हैं -
a. पगहिया b. पगहया
c. पगिहया d. पगीहया

52. झूरी ने अपने बैलों को देखते ही क्या किया?
a. गया को बुलाया
b. रस्सी से बाँधा
c. उन्हें खाने के लिए दिया
d. गले से लगाया

53. कांजीहौस से कौन नहीं भागा था?
a. भेंडें b. गधे
c. भैंसे d. बकरियाँ

54. हीरा- मोती भूख से व्याकुल होकर खेत में क्या चरने लगे ?
a. चना b. मटर
c. धान d. गेहूँ

55. बछिया के ताऊ किसे कहते हैं?
a. गधा b. घोड़ा
c. बैल d. भैंस

56. झूरी के साले का क्या नाम था?
a. सोहन b. गया
c. गंगा d. राजेश

57. बैलों के घर लौटने पर उनका अभिनंदन करने का निश्चय किसने किया?
a. गया ने b. झूरी की पत्नी ने
c. बालसभा ने d. झूरी ने

58. गया के घर से भाग कर आए हुए बैलों को देखकर झूरी की पत्नी पर क्या प्रभाव पड़ा?
a. रोने लगी b. खुश हुई
c. चारा लाई d. जल उठी

59. दूसरे दिन गया बैलों को कैसे ले गया?
a. बाँधकर b. खींचता हुआ
c. गाड़ी में जोतकर d. मारता हुआ

60. ' हमारी जाति का यह धर्म नहीं है। ' इस कथन में किसकी जाति की ओर लेखक ने संकेत किया है?
a. गधा b. बकरी
c. हिरण d. बैल

61. हीरा - मोती उन्मत्त होकर किसकी तरह कुलेलें करते हुए घर की ओर दौड़े?
a. खरगोश b. बच्चे
c. बछड़े d. हिरण

62. ' जाकर थाने में रपट कर दूंगा ' यह कथन किसका है?
a. झूरी b. गया
c. चौकीदार d. दढ़ियल

63. ' जो कहीं फिर पकड़ लिए जाएं ' यह कथन किसका है?
a. गधे का b. बकरी का
c. मोती का d. हीरा का

64. ' यह आदमी छुरी चलाएगा ' यह कथन किसका है?
a. हीरा b. मोती
c. झूरी d. गया

65. ' मैं बेचूंगा तो बिकेंगे ' वाक्य का कौन सा भेद है?
a. संयुक्त वाक्य b. सरल वाक्य
c. मिश्र वाक्य d. इनमें से कोई नहीं

66. अंत में हीरा - मोती के वापस आने पर मालकिन ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया?
a. आरती उतारी b. बहुत मारा
c. माथे चूम लिये d. चारा - पानी दिया

67. ' हीरा ने कहा - गया के घर से नाहक भागें ' वाक्य का कौन- सा भेद है?
a. सरल वाक्य b. संयुक्त वाक्य
c. मिश्र वाक्य d. इनमें से कोई नहीं

68. कांजीहौस में हाजिरी लेने कौन आया था?
a. कर्मचारी b. झूरी
c. चौकीदार d. दढ़ियल

69. सांड क्या करता हुआ हीरा - मोती की ओर आ रहा था ?
a. डौंकता हुआ b. घूरता हुआ
c. दौड़ता हुआ d. डकारता हुआ

70. हीरा - मोती एक दूसरे से किस भाषा में बात करते थे?
a. हिंदी भाषा में b. अंग्रेजी भाषा में
c. मूक भाषा में d. जापानी भाषा में

71. किस बात के अनुसार हीरा-मोती कायर कहलाते?
a. यदि वे सांड पर आक्रमण करते
b. यदि वे किसी खेत में जाकर मटर खा लेते
c. यदि वे सांड से डर कर नहीं भागते
d. यदि वे सांड से डर कर भाग जाते

72. " गिरे हुए बैरी पर सींग नहीं चलाना चाहिए " यह कथन किसका है ?
a. हीरा का b. मोती का
c. गया का d. झूरी का

73. झूरी की पत्नी ने दोनों के माथे क्यों चूमे?
a. वह उन्हें भागना चाहती थी।
b. वह उन दोनों को साथ देखना चाहती थी।
c. उसे अपनी गलती का एहसास हो चुका था।
d. उसे बैलों से बहुत स्नेह था।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. c,	11. d,	21. d,	31. a,	41. c,	51. a,	61. c,
2. a,	12. c,	22. d,	32. c,	42. b,	52. d,	62. d,
3. d,	13. d,	23. c,	33. b,	43. d,	53. b,	63. a,
4. a,	14. a,	24. b,	34. c,	44. a,	54. b,	64. b,
5. b,	15. c,	25. d,	35. a,	45. d,	55. c,	65. c,
6. c,	16. a,	26. c,	36. c,	46. d,	56. b,	66. c,

7. d, 17. b, 27. b, 37. a, 47. a, 57. c, 67. c,
8. d, 18. d, 28. a, 38. d, 48. b, 58. d, 68. c,
9. d, 19. a, 29. d, 39. c, 49. d, 59. c, 69. a,
10. a, 20. d, 30. a, 40. d, 50. a, 60. d, 70. c,
71. d, 72. a, 73. c

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. प्रेमचंद ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया?

उत्तर- हंस, जागरण, माधुरी आदि।

2. प्रेमचंद के कहानी संग्रह का नाम बतायें।

उत्तर- मानसरोवर (आठ भागों में)

3. दो बैलों की कथा पाठ में साबिका का क्या अर्थ है।

उत्तर- वास्ता या सरोकार

4. विषाद का अर्थ है?

उत्तर- उदासी

5. ईंट का जवाब पत्थर से देना मुहावरे का क्या अर्थ है?

उत्तर- करारा जवाब देना।

6. दाँतों पसीना आना मुहावरे का अर्थ बताएं।

उत्तर- कठिन परिश्रम करना।

7. हिम्मत हारना मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ ।

उत्तर- अर्थ-निराश होना । असफलता के बाद रीना हिम्मत हार गई है।

8. टकटकी लगाना मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाएं।

उत्तर- अर्थ -निरंतर देखना। वह दरवाजे पर टकटकी लगाए देखता रहा।

9. ' जान से हाथ धोना ' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाएं।

उत्तर- अर्थ - मर जाना। खतरनाक कामों में जरा सी भी गलती होने पर जान से हाथ धोना पड़ सकता है।

10. 'अगर वह मुझे पकडता,तो मैं बे-मारे न छोड़ता।'वाक्य का कौन सा भेद है?

उत्तर- मिश्र वाक्य

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. हीरा और मोती के बारे में संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर- हीरा और मोती दोनों बैल पछाई जाति के थे देखने में सुन्दर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों तक साथ रहते - रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। वे दोनों एक-दूसरे से मूक भाषा में बातें किया करते थे।

2. गया द्वारा बैलों को हल में जोतने पर बैलों ने क्या व्यवहार किया?

उत्तर- दोनों बैलों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी । गया मारते-मारते थक गया, पर दोनों ने पाँव न उठाया। एक बार गया ने हीरा की नाक पर खूब डंडे जमाए , तो मोती का गुस्सा काबू के बाहर हो गया, वह हल लेकर भागा जिससे हल, रस्सी, जुआ, जोत, सब टूट- टाट कर बराबर हो गया।

3. कांजीहौस के अन्दर का दृश्य कैसा था ?

उत्तर- कांजीहौस के अन्दर अनेक जानवर बंद थे। कई भैंस, बकरियाँ, घोड़े ,गधे भी थे, पर किसी के सामने चारा न था, सब ज़मीन पर मुरदों की तरह पड़े थे। कई तो इतने कमजोर हो गए थे कि खड़े भी नहीं हो सकते थे।

4. दो बैलों की कथा के आधार पर स्पष्ट करें कि स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है।

उत्तर- हीरा और मोती का गया के घर से भागना,साँड से लड़ाई करना, कांजीहौस में भूखे रहकर संघर्ष करना , भागने का प्रयास असफल होने पर भी फिर से प्रयास करना नीलाम होने के बाद मालिक के हाथ से निकल भागना आदि घटनाएँ सिद्ध करती हैं कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

5. हीरा और मोती जब बैलगाड़ी लेकर जाते, तो दोनों बैलों का क्या रवैया रहता था?

उत्तर- जब दोनों बैलों को बैलगाड़ी में जोता जाता,उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा से ज्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे। दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक दूसरे को चाट-चूटकर अपनी थकान मिटा लिया करते।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. 'संगठन में शक्ति है' - हीरा - मोती ने इसका नमूना किस तरह प्रस्तुत किया?

उत्तर- ' संगठन में शक्ति है' इसका नमूना हीरा-मोती ने अपने से ज्यादा ताकतवर साँड को पराजित करके प्रस्तुत किया। दोनों ने जान हथेली पर लेकर साँड के ऊपर आक्रमण कर दिया| साँड को संगठित शत्रुओं से लड़ने का अनुभव न था। वह एक शत्रु से मल्लयुद्ध करने का आदी था| ज्यों ही हीरा पर झपटा, मोती ने पीछे से दौड़ाया। साँड उसकी तरफ मुड़ा, तो हीरा ने दौड़ाया। साँड चाहता था कि एक-एक करके दोनों को गिरा ले, पर थे दोनों भी उस्ताद ये उसे वह अवसर न देते थे साँड हीरा का अंत कर देने के लिए चला कि मोती ने पीछे से आकर पेट में सींग चुभा दिया इससे साँड जख्मी होकर भागा और बेदम होकर गिर पड़ा।

2. दोनों बैल कसाई की कैद से कैसे मुक्त हुए?

उत्तर- नीलामी के बाद दोनों बैल उस दढ़ियल (कसाई) के साथ चले। अचानक दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। उनकी चाल तेज हो गई। सारी थकान गायब हो गई। दोनों दौड़कर अपने थान पर आए और खड़े हो गए। कसाई भी उनके पीछे दौड़कर आया और उन पर अपना हक जमाने लगा। झूरी ने अपने बैलों को देखकर उन्हें गले से लगा लिया और कहा कि वे उसके बैल हैं जैसे ही दढ़ियल बैलों को

जबरदस्ती पकड़कर ले जाने के लिए बढ़ा। उसी वक्त मोती ने सींग चलाया । दढ़ियल पीछे हटा । मोती ने पीछा किया तो दढ़ियल भागा। इस प्रकार हीरा और मोती उसके कैद से आजाद हो गए।

3. गया के घर से भागकर आए हीरा - मोती को देख झूरी, बच्चे और उसकी पत्नी ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उत्तर- गया के घर से भागकर आए हीरा - मोती को देखकर झूरी स्नेह से गदगद हो गया । वह उन्हें प्यार से गले लगाकर चूमने लगा। गाँव के बच्चे जमा हो गए और तालियाँ बजा- बजाकर उनका स्वागत करने लगे। बच्चों ने निश्चय किया कि पशु - वीरों को अभिनंदन पत्र देना चाहिए। उनको सम्मानित करना चाहिए। ईनाम स्वरूप कोई बच्चा अपने घर से रोटियाँ लाया, कोई गुड़, कोई चोकर, कोई भूसी। झूरी की पत्नी दोनों बैलों को द्वार पर आया हुआ देखकर जल-भुन गई । वह उन्हें नमकहराम कहने लगी। उसने झूरी से कहा कि ये दोनों काम के डर से वहाँ से भाग आए हैं। उसने नौकर को चेतावनी दी कि इन्हें सूखा भूसा ही खाने को दिया जाए।